RAO PAHLAD SINGH DEGREE COLLEGE
(Approved by DGHE / Govt. of Haryana & Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur)
Satnali Road Balana, Mohindergarh Haryana-123029
Telephone: 01285-241432 Fax: 241431
E-mail: rpsbalana@gmail.com, Website: www.rpsdegreecollege.org

राजनीति शास्त्र विभाग

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्‌देश्य और परिणाम

विषय : राजनीति विज्ञान **विषयः बी.ए. 1st सेमेस्टर**

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्‌देश्य

1. भारतीय संविधान सभा के गठन, उद्‌देश्य व संविधान के स्त्रोत को बताना।
2. भारतीय संविधान की विशेषताओं को स्पष्ट करना।
3. प्रस्तावना का अर्थ व महत्व की जानकारी देना।
4. मूल अधिकार, मूल कर्तव्य व निर्देशक तत्वों की विशेषताऐं, आलोचनाऐं व महत्व के सन्दर्भ में अवगत कराना।
5. संघीय कार्यपालिका– राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व कैबिनेट का विस्तार पूर्वक अध्ययन करना।
6. राज्य कार्यपालिका– राज्यपाल, मुख्यमंत्री व कैबिनेट के अधिकार, शक्ति व भूमिका का परीक्षण करना।
7. संसद व राज्य विधानमण्डल के संगठन, सदस्यता, अधिकर शक्तियों व भूमिका का अवलोकन करना।
8. सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय के संगठन, कार्य व भूमिका तथा न्याययिक पुर्नाविलोकन, न्यायिक समीक्षा का विश्लेषण करना।
9. पंचायती राज व्यवस्था का विधिवत ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम परिणाम

1. छात्र भारतीय संविधान सभा के स्वरूप, गठन, कार्य पद्धति आदि से परिचित होगें।
2. संविधान के प्रावधानों व विशेषताओं का पूर्ण ज्ञान रखेगें।
3. संविधान की प्रस्तावना, मूल अधिकार, मूल कर्तव्य, निर्देशक तत्वों की विशेषताओं, महत्व आदि से परिचित होगे।
4. भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, कैबिनेट के कार्यों व भूमिका के विषय में जानेगें।
5. राज्यपाल, मुख्यमंत्री, कैबिनेट की नियुक्ति, कार्य व शक्तियों से पूर्णतः परिचित होगें।
6. संसद व राज्य विधानमण्डल के संगठन, स्वरूप, कार्य एवं शक्तियों के सन्दर्भ में जानकारी करेगें।
7. सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय के संगठन, अधिकार शक्तियों, न्यायिक पुर्नाविलोकन व न्यायिक समीक्षा से भली–भान्ति परिचित होगे।
8. पंचायती राज व्यवस्था की आवश्यकता, संगठन, अधिकार, कार्यों व महत्व से परिचित होकर इसे सशक्त बनाने हेतु प्रयाशशील होगे।

राजनीति शास्त्र विभाग

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य और परिणाम

विषय : राजनीति विज्ञान **विषयः बी.ए. 2nd सेमेस्टर**

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य

1. भारतीय संघवाद के स्वरूप एवं कार्य–प्रणाली से परिचित कराना।
2. केन्द्र–राज्यों के पारस्परिक संबंधों (विधायी, प्रशासनिक व वित्तीय संबंधों को बताना।
3. राज्य स्वायत्ता के लाभ–हानियों से अवगत कराना।
4. भारतीय संघ की उभरती प्रवृत्तियों का ज्ञान प्रदान करना।
5. भारतीय निर्वाचन आयोग के संगठन, कार्य–प्रणाली को स्पष्ट करना।
6. चुनाव प्रणाली की खामियों व उनमें सुधार की अवश्यकता को बताना।
7. भारतीय मतदाताओं के मतदान व्यवहार को समझाना।
8. भारत में दल–बदल की व्यवस्था, द्वोष एवं सुधार हेतु उपाय को बताना।
9. भारतीय दलीय पद्धति, स्वरूप व विशेषताओं से परिचित कराना।
10. भारत में कार्यरत् दबाव समूहों व हित समूहो के स्वरूप को स्पष्ट करना।
11. भारतीय राजनीतिक प्रक्रिया में जाति की भूमिका पर प्रकाश डालना।
12. भारतीय राज व्यवस्था में धर्म, भाषा व क्षेत्रवाद के प्रभाव को स्पष्ट करना।
13. आरक्षण व आरक्षण की राजनीति से अवगत कराना।
14. भारतीय राजनीतिक पद्धति के समक्ष उत्पन्न प्रवृत्तियों व चुनौतियों को बताना।

पाठ्यक्रम परिणाम

1. विद्यार्थी भारतीय संघ के स्वरूप, विशेषताओं व कार्य–प्रणाली से भली–भांति परिचित हो सकेगे।
2. छात्र केन्द्र–राज्यों के मध्य विधायी, प्रशासनिक व वित्तीय संबंधों का ज्ञान प्राप्त करेगे।
3. राज्य स्वयत्ता की मांग एवं कारणों को जानने में सक्षम होगे।
4. भारतीय राज–व्यवस्था की उभरती प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
5. निर्वाचन आयोग का संगठन, कार्यप्रणाली व गुण–दोषों का ज्ञान प्राप्त करेंगे व उनमें सुधार के संबंध मे जागरूक होगे।
6. भारतीय मतदाताओं के मतदान–व्यवहार का परिचय प्राप्त करेगे।
7. दल–बदल का अर्थ, कारण, दोष का ज्ञान होगा तथा इसमें सुधार हेतु सुझाव देने में समर्थ होगे।
8. भारतीय दल पद्धति की विशेषताऐं तथा राष्ट्रीय, क्षेत्रीय पार्टियों–काग्रेस, भारती जनता पार्टी, साम्यवादी दलों इनेलो, अकाली दल आदि के सन्दर्भ में अपने ज्ञान का विकास करेगे।
9. भारतीय दबाव समूहो व हित समूहो के संगठन, कार्य पद्धति व उद्देश्यों से वाकिफ होगे।
10. राजनीति में जाति, धर्म, भाषा क्षेत्र के प्रभाव को समझनें के योग्य होगे।
11. आरक्षण व आरक्षण की राजीनति में अन्तर को समझ सकेगे।
12. भारतीय राजनीति में उभरती नवीन प्रवृत्तियों की समीक्षा व परीक्षण करने के योग्य होगे।

राजनीति शास्त्र विभाग

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य और परिणाम

विषय : राजनीति विज्ञान **विषयः बी.ए. 3rd सेमेस्टर**

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य

1. छात्रों को राजनीति शास्त्र का अर्थ, परिभाषा, प्रकृति व क्षेत्र से परिचित कराना।
2. राजनीति विज्ञान का अन्य सामाजिक विज्ञानों– इतिहास, अर्थशास्त्र, नीति शास्त्र व समाज शास्त्र से क्या सम्बन्ध है, बताना।
3. राज्य का अर्थ, परिभाषा, आवश्यक तत्व तथा राज्य–समाज, राज्य–सरकार, राष्ट्र–राज्य के मध्य समानता व असमानता को बताना।
4. राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्तों–दैवीय, शक्ति, संविदा, ऐतिहासिक व विकासवादी सिद्धान्त से अवगत कराना।
5. राज्य के विकास के विभिन्न आयामों तथा राज्य के उदारवादी व मार्क्सवादी स्वरूप का ज्ञान देना।
6. राज्य के कार्यों– उदारवादी व समाजवादी का विश्लेषण करना।
7. लोक क्लयाणकारी राज्य का विस्तृत ज्ञान कराना।
8. सम्प्रभुता का अर्थ, परिभाषा प्रकार व सिद्धान्तों की समीक्षा करना।
9. सम्प्रभुता के बहुलवादी दृष्टिकोण पर प्रकाश करना।

पाठ्यक्रम शिक्षण परिणाम

1. छात्र राज्य का अर्थ, परिभाषा, प्रकृति व क्षेत्र का पूर्ण ज्ञान करेंगे।
2. राजनीति विज्ञान व समाज शास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र, नीति शास्त्र के मध्य सम्बन्धों को समझेगें।
3. राज्य का अर्थ, राज्य व सरकार, राज्य–समाज, राष्ट्र–राज्य के मध्य सम्बन्धों से परिचय करेगें।
4. राज्य की उत्पत्ति के दैवीय, शक्ति, संविदा, ऐतिहासिक व विकासवादी सिद्धान्त का पूर्ण ज्ञान रखेंगे।
5. राज्य के उदारवादी व मार्क्सवादी स्वरूप को समझेगें।
6. राज्य के कार्यों उदारवादी व समाजवादी सिद्धान्तों का ज्ञान करेंगे।
7. लोक कल्याणकारी राज्य के विषय में पूर्ण विशेषज्ञता प्राप्त करेंगे।
8. सम्प्रभुता का अर्थ, प्रकार व विशेषता को समझने में समर्थ होगे।
9. प्रभुसत्ता के बहुलवादी सिद्धान्त से परिचित होगे।

राजनीति शास्त्र विभाग

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य और परिणाम

विषय : राजनीति विज्ञान **विषयः बी.ए. 4th सेमेस्टर**

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य

1. अधिकार का अर्थ, प्रकार एवं महत्व को बताना।
2. कर्तव्य का अर्थ, प्रकार महत्व तथा अधिकार व कर्तव्य के बीच सम्बन्धों को स्पष्ट करना।
3. मानवाधिकार का अर्थ तथा मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा व महत्व से परिचित कराना।
4. स्वतंत्रता का अर्थ, प्रकार व महत्व से परिचित कराना।
5. सामाजिक परिवर्तन का अर्थ, कारण का ज्ञान प्रदान करना।
6. विकास का अर्थ, सिद्धान्त व कारण को स्पष्ट करना।
7. सूचना के अधिकार से छात्रों को परिचित कराना एवं उसकी प्रासंगिकता को व्यक्त करना।
8. उपभोक्ता संरक्षण की आवश्यकता व महत्व का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम परिणाम

1. विद्यार्थी अधिकारों के अर्थ, प्रकार एवं महत्व से परिचित तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होगे।
2. छात्र अपने कर्तव्यों से प्रति व निष्ठावान होगी।
3. विधार्थी मानवाधिकार से वाकिफ होगे तथा अपने मानवाधिकारों के प्रति सचेत होगे।
4. छात्र समानता का अर्थ, प्रकार व महत्व का ज्ञान प्राप्त कर भारत में समता–मूलक समाज निर्मित करने के योग्य होगे।
5. सामाजिक परिवर्तन का अर्थ, स्वरूप को समझेगे।
6. विद्यार्थी विकास के सन्दर्भ में बाजार व्यवस्था, लोक कल्याणकारी माड़ल, साम्यवादी माड़ल व गाँधीवादी माडल से परिचित होगे तथा विकास प्रक्रिया में सहभागिता करेगे।
7. भारत में सूचना के अधिकार की व्यवस्था तथा इसके गुण–दोषों से परिचित होकर, पारदर्शी शासन व भ्रष्टाचार मुक्त भारत निर्माण हेतु प्रत्यनशील होगे।
8. उपभोक्ता के अधिकार व समस्याओं से परिचित होकर अपने जीवन में इस अधिकार का उपयोग करेंगे।

राजनीति शास्त्र विभाग

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य और परिणाम

विषय : राजनीति विज्ञान **विषय : बी.ए. 5th सेमेस्टर**

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य

1. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र तथा विकास की संभावनाओं को समझाना।
2. राष्ट्र संघ की उत्पत्ति स्वरूप, सदस्यता, कार्य, व पतन के कारणों को स्पष्ट करना।
3. राष्ट्र संघ की उत्पत्ति, उद्देश्य, सिद्धान्त, कार्यों के सम्बन्ध में प्रकाश डालना।
4. महासभा, सुरक्षा परिषद्, आर्थिक व सामाजिक परिषद्, न्यास परिषद, सचिवालय, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के गठन, स्वरूप, उद्देश्य व कार्यों की विवेचना करना।
5. संयुक्त राष्ट्र के विशेष अभिकरणों–यूनेस्को, अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, के कार्यों व उपलब्धियों का ज्ञान प्रदान करना।
6. राष्ट्र संघ एवं संयुक्त राष्ट्र संघ का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शिक्षण परिणाम

1. छात्र अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की प्रकृति, अर्थ, उद्देश्य के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. छात्र राष्ट्र संघ की उत्पति के कारण, उद्देश्य, सदस्यता, कार्य एवं पतन के कारणों को भंली–भांति जानेगे।
3. संयुक्त राष्ट्र संघ के स्वरूप, उद्देश्य, सदस्यता, कार्यों को समझ सकेगे।
4. छात्र संयुक्त राष्ट्र के सभी अंगो– महासभा, सुरक्षा परिषद, आर्थिक व सामाजिक परिषद, न्याय परिषद, सचिवालय व अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के गठन, उद्देश्य, कार्य–प्रणाली एवं उपलब्धियों का पूर्ण ज्ञान करेंगे।
5. विद्यार्थी संयुक्त राष्ट्र के मुख्य अभिकरणों युनेस्को, अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन के कार्यों व उपलब्धियों से परिचित होगे।
6. राष्ट्र संघ एवं संयुक्त राष्ट्र संघ के मध्य समानताओं व असमानताओं में अन्तर कर सकेगे।

राजनीति शास्त्र विभाग

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य और परिणाम

विषय : राजनीति विज्ञान **विषयः बी.ए. 6th सेमेस्टर**

पाठ्यक्रम शिक्षण के उद्देश्य

1. क्षेत्रीय संगठन का अर्थ, उत्पत्ति का कारण, कार्य व महत्व को इंगित करना।
2. यूरोपीय समुदाय की उत्पत्ति, उद्देश्य, उद्देश्य, कार्य, व महत्व को स्पष्ट करना।
3. सार्क की उत्पत्ति, उद्देश्य, कार्य, महत्व व सम्पन्न हो चुके शिखर सम्मेलनो तथा सार्क में भारत की भूमिका को बताना।
4. आसियान के गठन, संगठनात्मक ढाँचा, कार्य, भूमिका तथा आसियान में भारत की भूमिका के विषय में विश्लेषण करना।
5. मानवाधिकार का अर्थ व संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के प्रावधान, वर्गीकरण, आलोचनाएं व महत्व के सन्दर्भ में ज्ञान प्रदान करना।
6. उपनिवेशवाद का अर्थ, कारण, प्रकार व उन्मूलन के कारणों को बताना तथा नई विश्व व्यवस्था की जानकारी देना।
7. संयुक्त राष्ट्र द्वारा विवादों के शान्तिपूर्ण समाधान के साधन तथा किये गये प्रयास।
8. सामूहिक सुरक्षा के अर्थ, कारण, साधनों के विषय में तथा आलोचना करना।
9. संयुक्त राष्ट्र की सफलता व असफलता बताते हुए मूल्यांकन करना।
10. संयुक्त राष्ट्र का लोकतन्त्रीकरण एवं सुरक्षा परिषद् में भारत के दावें का परीक्षण करना।

पाठ्यक्रम परिणाम

1. छात्र क्षेत्रीय संगठनो, उनके कार्यों व महत्व से परिचित होगे।
2. यूरोपीय समुदाय की कार्यप्रणाली, उद्देश्य का ज्ञान करेगे।
3. छात्र सार्क के उद्देश्य, कार्यप्रणाली, महत्व तथा इसमें भारत की भूमिका को समझ सकेगें।
4. विद्यार्थी आसियान की उत्पत्ति के कारण, उद्देश्य, कार्य प्रणाली, महत्व का भली–भांति ज्ञान करेगे।
5. मानव अधिकार का महत्व, सार्वभौमिक मानवाधिकारो की घोषणा के अध्ययन से स्वयं इनकी प्राप्ति व संरक्षण की दिशा में प्रयासरत् होगे।
6. उपनिवेशवाद के सन्दर्भ में अपने ज्ञान को समृद्ध करेंगे।
7. संयुक्त राष्ट्र द्वारा शान्ति स्थापित करने के शान्तिपूर्ण साधनों को जानेगे।
8. संयुक्त राष्ट्र के गुण दोषों का ज्ञान प्राप्त कर संयुक्त राष्ट्र का स्वयं मूल्यांकन करने के योग्य होगे।
9. संयुक्त राष्ट्र में लोकतांत्रिक की अनिवार्य को समझेगे तथा भारत के सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का पूर्ण ज्ञान प्राप्त करेंगे।